हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 48 | देहरादून, शनिवार, 06 अगस्त, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की अन्तरराष्ट्रीय मार्केटिंग के लिए गुणात्मक वृद्धि होगी : मुख्यमंत्री 3

बदरीनाथ मार्ग 13 घंटे बाद खुला आज भी भारी वर्षा के आसार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम के बदले मिजाज के बीच ज्यादातर क्षेत्रों में भारी वर्षा का क्रम जारी है। पहाड़ से लेकर मैदान तक भारी वर्षा के कई दौर हो रहे हैं। जिससे पर्वतीय क्षेत्रों में दुश्वारियां बनी हुई हैं।

बदरीनाथ मार्ग 13 घंटे बाद यातायात के लिए खुल गया है। जबकि, प्रदेश में अब भी छोटे-बड़े करीब 50 मार्ग बंद पड़े हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार को भी प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में भारी वर्षा के आसार हैं। खासकर कुमाऊं क्षेत्र में भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

कर्णप्रयाग-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार दोपहर तीन बजे जलेश्वर के समीप चट्टान से बोल्डर गिर गए, इस कारण अवरुद्ध हुए राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह पांच बजे यातायात सुचारू हो पाया। इसके बाद राजमार्ग पर फंसे 200 से अधिक बदरीनाथ आने वाले और दर्शन कर वापस लौट रहे तीर्थयात्रियों ने राहत की सांस ली।

इस दौरान तहसील प्रशासन की ओर से राजमार्ग पर फंसे तीर्थयात्रियों के लिए जलपान व पेयजल की व्यवस्था की गई। वहीं, देहरादून में दोपहर बाद शुरू हुई भारी वर्षा से शहर के चौक-चौराहों में पानी भर गया। इसके अलावा सड़कों पर बने गड्ढे भी कीचड़ से पट गए। नालियां चोक होने के कारण वर्षा का पानी सड़कों पर बहता रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, प्रदेशभर में शनिवार को भी आंशिक से लेकर आमतौर पर बादल छाये रह सकते हैं। बागेश्वर, पिथौरागढ़ और नैनीताल में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा अन्य जिलों में गरज के साथ तीव्र बौछारें पड़ सकती हैं।

हरिद्वार जिले में दस अगस्त तक घने बादल छाए रहेंगे। साथ ही, वर्षा की भी संभावना है। छह अगस्त को 20 मिमी, सात अगस्त को दस मिमी, आठ अगस्त को 12 मिमी, नौ और दस अगस्त को एक-एक मिमी वर्षा होगी।

साथ ही दिनभर में बीच-बीच में धूप भी खिली। बादलों के कारण लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। शहर का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रेकार्ड किया गया। जो कि सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग में संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के तकनीकी अधिकारी डा. अरविंद कुमार श्रीवास्तव के अनुसार वर्षा के पूर्वानुमान को देखते हुए किसान सिंचाई न करें और नियमित रूप से फसलों की निगरानी करते रहे।

सतपाल महाराज ने हनोल के 'जागडा' को राजकीय मेला घोषित किया

कार्यों की खराब गुणवत्ता पर पुरातत्व अधिकारियों को महाराज की फटकार

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज अपने भ्रमण कार्यक्रम के अंतिम दिन हनोल स्थित महासू देवता मंदिर पहुंचे। वहाँ उन्होने जागडा (हरियाली मेले) से पूर्व व्यवस्थाओं को लेकर आयोजित बैठक में हिस्सा लिया।

प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज अपने भ्रमण कार्यक्रम के अंतिम दिन हनोल स्थित महासू देवता मंदिर पहुंचे। यहाँ उन्होने सबसे पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों के साथ महासू देवता मंदिर का निरीक्षण किया।मंदिर परिसर में हुए निर्माण कार्यों में खराब गुणवत्ता को लेकर उन्होंने अधिकारियों को इस दौरान फटकार भी लगाई।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने श्री महासू देवता मंदिर, हनोल में होने वाले जागड़ा (हरियाली मेले) की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजित बैठक में भी प्रतिभाग किया। इस दौरान संस्कृति मंत्री महाराज ने जागड़ा (हरियाली मेले) को राजकीय मेला घोषित करने की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में महासू महाराज का जो जागड़ा (हरियाली मेले) होने वाला है उसका उल्लेख पर इस क्षेत्र को बड़ी प्रमुखता दी है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे मंदिर परिसर का मास्टर प्लान तैयार कर आने वाले समय में इस को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करेगी।

संस्कृति मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले से संबंधित सभी व्यवस्थाएं लाइट, सुरक्षा व भंडारे का समुचित प्रबंध होना चाहिए। सभी को मिलकर इस आयोजन को सफल बनाना है। इस मौके पर श्री महाराज ने मानव उत्थान सेवा समिति के माध्यम से मंदिर को 1000 कंबल दिए जाने की भी बात कही।

बैठक में श्री महासू देवता मंदिर समिति हनोल के पदेन अध्यक्ष उपजिलाधिकारी, चकराता, पदेन उपाध्यक्ष, तहसीलदार, त्यूनी, सचिव पुरोहित मोहन लाल सेमवाल, संरक्षक, बजीर दीवान सिंह राणा, जयपाल सिंह पंवार, सदस्य पुजारी मदन चंद, प्रहलाद जोशी, राजेंद्र नौटियाल, राजगुरु चंदन राम राजगुरु, रघुवीर सिंह, राजाराम शर्मा, डॉक्टर नरेंद्र चौहान, नारायण सिंह पवार, टोनी, राजेंद्र चौहान, जितेंद्र सिंह चौहान, उर्मिला शर्मा और शांति राम आदि मौजूद थे।

331 नए कोरोना संक्रमित मिले एक मरीज की मौत, 237 हुए ठीक

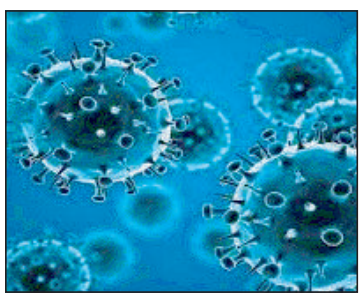

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। चार दिन से प्रदेश में 300 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को बीते 24 घंटे के भीतर प्रदेश में 331 नए संक्रमित मिले हैं। जबकि 237 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं, एक मरीज की मौत हुई है। सक्रिय मरीजों की संख्या भी 1800 से ऊपर पहुंच गई है। प्रदेश में फिलहाल 1835 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है। जबकि गुरुवार को प्रदेश में 1748 सक्रिय मरीज थे।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक शुक्रवार को 2221 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं, देहरादून जिले में सबसे ज्यादा 136, हरिद्वार में 20, नैनीताल में 53, अल्मोड़ा में छह, बागेश्वर में दो, चमोली में सात, चंपावत में एक, पौड़ी में आठ, पिथौरागढ़ में चार, रुद्रप्रयाग में 34, टिहरी में व उत्तरकाशी में 11-11 और ऊधमसिंह नगर में 38 संक्रमित मरीज सामने आए हैं। वहीं, प्रदेश की रिकवरी दर 94.31 प्रतिशत और संक्रमण दर 12.97 प्रतिशत दर्ज की गई।

Diabetes Control Diet : डायबिटीज के मरीजों के लिए सिर्फ मीठा ही नहीं ये सब्जियां भी ज़हर हैं

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तनाव, खराब खान-पान और बिगड़ते लाइफस्टाइल की वजह से पनपने वाली बीमारी है डायबिटीज। न्यूज़ वायरस आज आपको डायबिटीज को कंट्रोल करने के कुछ ख़ास टिप्स बता रहा है। जिसके द्वारा शुगर को नियंत्रण में कर सकते हैं क्योंकि इसे जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता। डायबिटीज की बीमारी तब होती है जब पैंक्रियाज इंसुलिन का उत्पादन कम कर देता है या फिर बंद कर देता है। इंसुलिन के कम उत्पादन की वजह से ही ब्लड में शुगर का स्तर बढ़ने लगता है।

इंसुलिन का कम उत्पादन होने से खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। इंसुलिन एक तरह का हार्मोन होता है, जो पाचन ग्रंथि से बनता है। ये खाने को एनर्जी में बदलता है। इससे ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल रहता है।

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसमें ब्लड में शुगर का स्तर नॉर्मल रहना जरूरी है। ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए दवाईयों का सेवन करना, तनाव से दूर रहना और डाइट को कंट्रोल करना जरूरी है। जिस तरह कुछ फूड्स शुगर को कम करने में असरदार साबित होते हैं उसी तरह कुछ फूड्स का सेवन करने से डायबिटीज की बीमारी बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है।

डायबिटीज के मरीज करें आलू से परहेज:

आलू में मौजूद कार्बोहाइड्रेट शुगर को बढ़ाने में असरदार साबित होता है। आलू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स हाई होता है जिसका सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों की शुगर बढ़ सकती है।आलू में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है इसलिए डायबिटीज के मरीजों को आलू खाने से परहेज करना चाहिए।

अरबी से करें परहेज:

अरबी में स्टार्च की भरपूर मात्रा होती है। ये आलू की प्रजाति की सब्जी है जो स्टार्च युक्त होती है, इसलिए डायबिटीज रोगी को इससे दूर रहन चाहिए।

जमीकंद बढ़ा सकता है शुगर:

जमीकंद आलू के परिवार की सब्ज़ी है। यह सब्जी एक जड़ के तौर पर ज़मीन के नीचे विकसित होती है। इसमें स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है इसलिए डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन करने से परहेज करना चाहिए।

कटहल से परहेज करें:

डायबिटीज के मरीज कटहल का सेवन सोच समझ कर करें। इस सब्जी को खाने से शुगर का स्तर तेजी से बढ़ सकता है। अगर आपको डायबिटीज है या आप प्री-डायबिटीक स्टेज में है, तो कटहल का सेवन न करें या बिल्कुल कम मात्रा में करें। ये सब्जी शुगर को तेजी से बढ़ा सकती है।

उत्तराखंड में वोटर आईडी को आधार से लिंक करने के अभियान की शुरुआत हुई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप सिंह शाह ने वोटर आईडी को आधार से लिंक करने के अभियान की शुरूआत की। अभियान की शुरूआत वोटर हेल्प लाइन एप्प के माध्यम से सचिवालय कार्मिकों के वोटर आईडी को आधार से जोड़कर किया गया। उन्होंने कहा कि वोटर आईडी और आधार कार्ड को लिंक करने से डुप्लीकेसी को रोकने में मदद मिलेगी और मत का दुरूपयोग नहीं हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया स्वैच्छिक है। जो भी मतदाता आधार नंबर उपलब्ध कराते हैं, उनके आधार नंबर को पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। आफ लाइन आधार नंबर दर्ज कराने हेतु फॉर्म 6 बी को भरकर बीएलओ को उपलब्ध कराना होगा।

सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तु दास ने कार्यक्रम में डेमो वीडियो द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप्प के माध्यम से वोटर आईडी और आधार को लिंक करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वोटर आईडी और आधार को वोटर हेल्पलाइन एप्प के माध्यम से सरल प्रक्रिया से लिंक किया जा सकता है। इस अवसर पर सचिवालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

देहरादून एसएसपी की चेतावनी नपेंगे लापरवाह अधिकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कुर्सी सम्हालते ही पहले दिन से सख्त तेवर अपनाने वाले देहरादून एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने एक बार फिर जिला पुलिस के सभी कर्मियों और अफसरों को निर्देश दिया है। उन्होंने साफ किया है कि थाना और चौकियों में पहुंचने वाले पीड़ितों की सुनवाई अगर सही ढंग से नहीं हुई और उनकी एफआईआर नहीं दर्ज की जाती है, तो ऐसे पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. शांति और कानून व्यवस्था बनाये रखना पुलिस का पहला दायित्व हैं. अगर इस व्यवस्था में ही कोताही बरती जाएगी तो ऐसे थाना-चौकी प्रभारी अब नपेंगे....

बिंदाल चौकी इंचार्ज को निलंबित किया

अपनी चेतावनी को कार्यशैली में दिखाते हुए एसएसपी कुंवर ने शिकायतों के बाद गढ़ी कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बिंदाल चौकी इंचार्ज को निलंबित किया गया है. बिंदाल चौकी इंचार्ज पर आरोप है कि उन्होंने चोरी हुए वाहनों की FIR दर्ज नहीं की और शिकायतकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार भी किया था.

इस कारण से बिंदाल चौकी इंचार्ज कमल रावत को देहरादून एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने तत्काल निलंबित कर दिया. वहीं इस मामले की जांच सीओ सीटी नरेंद्र पंत को दी गई है... देखना होगा कि कप्तान की सख्त चेतावनी का दून पुलिस के तमाम थानों के अधिकारियों में कितना असर होता है।

उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की अन्तरराष्ट्रीय मार्केटिंग के लिए गुणात्मक वृद्धि होगी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एपिडा के माध्यम से उत्तराखण्ड में उत्पादित आम की प्रथम खेप, शहद एवं राजमा के अन्तरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात हेतु भेजे जा रहे वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर 1.5 टन आम, 28 टन राजमा एवं 80 टन शहद का अन्तरराष्ट्रीय बाजार के लिए निर्यात किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एपिडा के सहयोग से अन्तरराष्ट्रीय बाजार के लिए राज्य के जो उत्पाद भेजे जा रहे हैं, यह सराहनीय पहल है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की अन्तरराष्ट्रीय मार्केटिंग के लिए गुणात्मक वृद्धि होगी। उत्पादन को कैसे अच्छी मार्केटिंग मिले इस दिशा में सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक बढ़ावा मिले इसके लिए और अधिक प्रयासों की जरूरत है। राज्य में किसानों की आजीविका को बढ़ाने के लिए एवं आवश्यक सभी व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने के लिए कृषि कलेण्डर भी बनाया गया है। उत्तराखण्ड के छोटे कृषकों की आर्थिकी को बढ़ाने के लिए कलस्टर के विकास हेतु, सहकारिता, कृषि एवं उद्यान विभाग के माध्यम से अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट से पूर्व कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ संवाद किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दुगुनी करने का जो संकल्प लिया है, उस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए उत्तराखण्ड में राज्य सरकार द्वारा पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार की कृषि कल्याण से संबंधित योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। 2025 में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती मनायेगा, तब तक किसानों की आजीविका वृद्धि के लिए कृषि, उद्यान, सिंचाई एवं अन्य संबंधित विभाग पॉयलट प्रोजेक्ट के रूप में क्या कर सकते हैं, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। राज्य के रजत जयंती वर्ष पर सभी विभागों को कुछ ऐसे कार्य करने होंगे, जो देश एवं हिमालयी राज्यों के लिए मॉडल हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जल्द किसान प्रोत्साहन योजना लाई जायेगी।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार द्वारा एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जब राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती मनायेगा, तब तक कृषि एवं उद्यान के क्षेत्र में राज्य में उत्पादन दोगुना किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को उच्च गुणवत्तायुक्त पौध उपलब्ध कराने के लिए नर्सरी बनाई जा रही है। सचिव कृषि शैलेश बगोली ने कहा कि राज्य के उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही उत्पादों को अच्छा मार्केट मिले इस दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उत्पादों के वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य से प्रथम बार राज्य के कास्तकारों द्वारा उत्पादित आम की चौंसा एवं लंगड़ा प्रजातियों के उच्च गुणवत्तायुक्त फलों का निर्यात दुबई को किया जा रहा है। किसान उत्पादक संगठनों द्वारा उत्पादित उच्च गुणवत्तायुक्त शहद का निर्यात संयुक्त राज्य अमेरिका को किया जा रहा है। राजमा के निर्यात को बढ़ावा देते हुए राज्य के कृषकों द्वारा उत्पादित उच्च गुणवत्तायुक्त राजमा का निर्यात भी संयुक्त राज्य अमेरिका को किया जा रहा है।

इस अवसर पर अपर सचिव कृषि रणवीर सिंह चौहान, निदेशक उद्यान डॉ. एच. एस. बवेजा, निदेशक कृषि गौरी शंकर, एपिडा के रीजनल हेड डॉ. सी.बी.सिंह, कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारी तथा कृषकगण उपस्थित थे।

खतरनाक ईमेल लूट रहे हैं, निजी जानकारियां, आप भी हो सकते हैं अगले शिकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हॉटमेल और जीमेल उपयोगकर्ताओं को एक फर्जी संदेश के बारे में अलर्ट पर रखा गया है जो कथित तौर पर डिलीवरी फर्म यूपीएस से है। खतरनाक ईमेल को एक्शन फ्रॉड द्वारा उजागर किया गया था, जिन्होंने कहा कि उन्हें केवल एक सप्ताह के भीतर संदेश के बारे में जनता से लगभग 1,700 रिपोर्ट मिली हैं। फर्जी संदेश का दावा है कि प्राप्तकर्ता ने यूपीएस डिलीवरी मिस कर दी है और एक पार्सल उनका इंतजार कर रहा है।

पार्सल का दावा करने के लिए घोटाले से लक्षित व्यक्ति को बताया जाता है कि उन्हें एक वेबसाइट पर जाना होगा और अपना व्यक्तिगत विवरण दर्ज करना होगा।

लेकिन यह सब पीड़ित से व्यक्तिगत जानकारी चुराने के लिए एक विस्तृत घोटाले का हिस्सा है। वेबसाइट ईमेल उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी एकत्र करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसका उपयोग पहचान धोखाधड़ी या पीड़ित से पैसे चोरी करने के लिए किया जा सकता है।

यूके में लोगों को घोटाले के प्रति सचेत करते हुए, ट्विटर पर एक्शन फ्रॉड ने कहाः

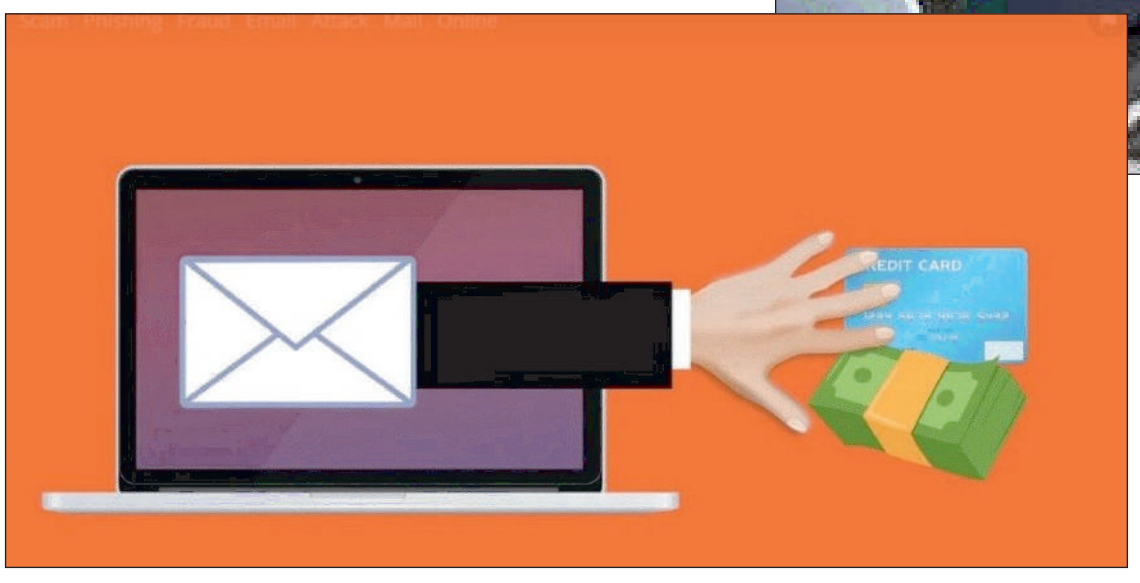

₹एक्शन फ्रॉड को एक सप्ताह में यूपीएस से होने वाले फर्जी ईमेल के बारे में 1,697 रिपोर्टें मिली हैं।

ईमेल में लिंक व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चुराने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

यूपीएस ने कहा कि ये त्रुटियां एक घोटाले के संदेश का संकेत हो सकती हैं...

डिज़ाइन दोष - विकृत या अनियमित आकार के लोगो वाला एक ई-मेल

खराब व्याकरण - व्याकरण संबंधी त्रुटियां और विस्मयादिबोधक बिंदुओं का अत्यधिक उपयोग

गलत वर्तनी - गलत वर्तनी वाले शब्द या परिवर्तित वेबसाइटों के लिंकयदि आप इन सभी चीजों की जांच करते हैं, लेकिन फिर भी सुनिश्चित नहीं हैं कि आपको प्राप्त हुआ संदेश वास्तविक है या नहीं, तो सबसे अच्छी बात यह है कि आप सीधे यूपीएस से संपर्क कर सकते हैं।हालांकि इसमें थोड़ा समय लगेगा, लेकिन अगर आप इस तरह के किसी घोटाले का शिकार हुए हैं, तो यह आपको खोए हुए समय और तनाव के कारण बहुत अधिक बचाएगा।

RBI ने रेपो दरों में 0.5% की बढ़ोतरी से अब बढ़ जाएगी आपकी EMI

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रिजर्व बैंक ने आज रेपो दरों में आधा प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। इन दरों में बढ़ोतरी तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है. रेपो दर वो दर होती है जिस पर रिजर्व बैंक अन्य बैंकों को छोटी अवधि का कर्ज देता है. रेपो दरें बढ़ने से साफ है कि बैकों के द्वारा पैसे उठाने की लागत भी बढ़ जाएगी और वो इसे आगे अपने ग्राहकों को पास कर देंगे. यानि जल्द ही आपके लोन की ईएमआई बढ़ने वाली है. आप तौर पर बैंक ये खुद फैसला लेते हैं कि वो इस बढ़ोतरी को कैसे आगे बढ़ाएंगे लेकिन संभावना है कि एक से ज्यादा बढ़ोतरी के साथ कुछ समय में रेपो दरों में इस बढ़ोतरी का असर ग्राहकों तक पहुंच जाएगा. चलिए हम आपको बताते हैं कि अगर आपकी कर्ज दरें आधा प्रतिशत बढ़ती हैं तो आपकी ईएमआई कितनी बढ़ जाएगी.

आधा प्रतिशत बढ़ने का क्या होगा असर

20 साल के लिए 30 लाख रुपये के होम लोन पर ग्राहकों की EMI 1680 रुपये बढ़ जाएगी. एचडीएफसी के द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार इस लोन पर 7.55 प्रतिशत की दर पर ईएमआई 24260 रुपये होगी जिसमें 28 लाख रुपये का ब्याज है. अगर कोई शख्स दरों में आधा प्रतिशत की बढ़त के बाद लोन उठाता है तो उसे इसी लोन पर उसे 25940 की ईएमआई देनी होगी और उसका लोन का हिस्सा बढ़कर 32 लाख पर पहुंच जाएगा. यानि नई दरों पर ईएमआई 1680 रुपये प्रति माह बढ़ेगा और 20 साल में नई ग्राहक को 4 लाख रुपये का अतिरिक्त ब्याज देना होगा.

जानिए RBI गवर्नर ने क्या कहा ?

रेपो रेट में 0.50% बढ़ाने का फैसलाFY23 रियल GDP ग्रोथ अनुमान 7.2% पर बरकरारसप्लाई बढ़ने से खाने के तेल की कीमतों में कमीFY23 में महंगाई दर 6.7% संभवकरेंट अकाउंट डेफिसिट चिंता की बात नहींभारतीय अर्थव्यवस्था पर महंगाई का असरग्लोबल स्तर पर महंगाई चिंता का विषयMSF 5.15% से बढ़ाकर 5.65% कीMPC बैठक में अकोमोडेटिव रुख वापस लेने पर फोकसअप्रैल के मुकाबले महंगाई में कमी आईशहरी मांग में सुधार देखने को मिल रहा हैबैंकों की क्रेडिट ग्रोथ में सालाना 14% की बढ़ोतरीबेहतर मानसून से ग्रामीण मांग में बढ़ोतरी संभव।

Know Your Rights : महिलाओं को ये 10 बातें जरूर याद रखनी चाहिए

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

महिलाएं आज 21वीं सदी में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। दुनियाभर में महिलाओं को कई तरह के अधिकार दिए गए हैं, जिससे वे न सिर्फ घर के बाहर खुद को सुरक्षित महसूस करें बल्कि, साथ निकलकर देश और समाज के विकास में बराबर का योगदान भी दें। भारत में भी महिलाओं को पुरुषों के बराबर हिस्सेदारी और समान अधिकार दिए गए हैं। इन अधिकारों के बारे में सभी को जानना बहुत जरूरी है। महिलाएं आज दफ्तरों में काम कर रही हैं। इसके साथ ही वे फील्ड में भी काम के लिए निकल रही हैं। ऐसे में वर्कप्लेस पर यानी जहां वे काम कर रही हैं, वहां उनकी सुरक्षा से जुड़े कुछ अधिकार जारी किए गए हैं। आइए महिलाओं के लिए वर्कप्लेस सेफ्टी बिल से जुड़ी जरूरी बातों पर गौर करते हैं।

महिलाओं को समान वेतन यानी काम के बदले जो पैसा दिया जाता है, उसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं होगा। महिलाओं को भी उनके काम के लिए वहीं सैलरी दी जाएगी, जो उसी काम के लिए पुरुषों को दी जाती रही है।

महिलाओं को शालीनता और इज्जत के साथ जीने का अधिकार दिया गया है। यदि महिला किसी केस में आरोपी है, तो उसे महिला पुलिसकर्मी या अधिकारी लेकर जाएंगी। साथ ही, अगर उनका मेडिकल या किसी तरह की अन्य जांच होनी है तो यह विशेष रूप से महिलाकर्मी ही करेंगी। अगर वे उपलब्ध नहीं हैं, तो पूरी जांच किसी महिला अधिकारी या कर्मचारी के सामने होगी।

यदि किसी महिला के खिलाफ ऑफिस या फील्ड में शारिरिक उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न होता है, तब वह शिकायत कर सकती है। ऑफिस में आंतरिक शिकायत समिति यानी इंटरनल कंप्लेंट कमेटी को लिखित तौर पर अपनी शिकायत भी दे सकती है। यह शिकायत उसे घटना से तीन महीने के अंदर देनी होगी।

यदि किसी महिला का यौन उत्पीड़न हुआ है, तो उसका नाम नहीं प्रकाशित किया जा सकेगा। यह गोपनीयता की नीति के तहत उसकी पहचान की रक्षा करने के लिए है। पीड़ित महिला अकेले अपना बयान किसी महिला पुरूष अधिकारी की मौजूदगी में या फिर कलेक्टर की उपस्थिति में दर्ज करा सकती है। कामकाजी महिलाओं के लिए मातृत्व लाभ का अधिकार है। इसके तहत वे प्रसव के बाद छह महीने तक वेतन ले सकती हैं और काम पर लौट सकती हैं। महिलाओं को वर्कप्लेस पर पुरूष सहकर्मी या फिर उनका बॉस किसी भी तरह से बिना उसकी मर्जी के छू नहीं सकता। यदि ऐसा करता है तो वह यौन हिंसा के दायरे में आ सकता है। रेप की शिकार महिला को मुफ्त कानूनी मदद का अधिकार है। पुलिस अधिकारी को वकील या फिर लीगल एडवाइजर की व्यवस्था करनी होगी। किसी महिला को रात में गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। यानी सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद महिला की गिरफ्तारी संभव नहीं है। हां, स्पेशल केस में प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के आदेश पर ऐसा किया जा सकता है।

महिला को रात में उसकी मर्जी के बिना ऑफिस में देर तक नहीं रोका जा सकता और न ही देर रात उसकी शिफ्ट लगाई जा सकती है, अगर वह इसके लिए राजी नहीं है। महिला को यदि देर तक ऑफिस में किसी वजह से रूकना भी पड़ता है, तो उसे सूर्यास्त के बाद घर पहुंचाने की व्यवस्था ऑफिस मैनेजर की होगी। इसके लिए वह कैब कर सकता है, मगर कैब या ऑफिस की गाड़ी, जिसमें भी महिला को घर तक छोड़ा जाएगा, साथ में ऑफिस का गॉर्ड भी जाएगा।

कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में प्रभारी मंत्री सुबोध उनियाल की अध्यक्षता में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत " हर घर तिरंगा" कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

प्रभारी मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत " हर घर तिरंगा" जनपद में घरों में तिरंगा लगाया जाना है इसके लिए सभी लोगों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आजादी के 75वीं वर्षगांठ को विशेष बनाने हेतु केन्द्र सरकार के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 13 अगस्त से 15 अगस्त 2022 तक " हर घर तिरंगा" कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में सभी को अपनी सहभागिता निभाने का अनुरोध किया। उन्होने कहा कि सभी लोग अपने घरों पर तिरंगा लगाते हुए इस कार्यक्रम में बढ़-चढकर सम्मिलित होने का आहवान किया।

बैठक में जिलाधिकारी सोनिका ने "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम की तैयारियों हेतु अब तक की गई कार्यवाही/गतिविधियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के नगर निगम एवं ग्रामीण क्षेत्रों हेतु नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। साथ ही विकासखण्ड चकराता में तिरंगा झंडे वितरण हेतु भेजे गए हैं। साथ ही एफएम रेडियो, लाउड स्पीकर, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार सहित भवनों, कार्यालयों, सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर बैनर चस्पा किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जनमानस को अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने हेतु विभिन्न माध्यमों से प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही शहरी क्षेत्र में ऐतिहासिक भवनों, इमारतों एवं सार्वजनिक स्थानों को प्रकाशमान करने हेतु विद्युत विभाग, नगर निगम, एमडीडीए को निर्देशित किया गया है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में खण्ड विकास अधिकारियों, ग्राम विकास अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने बताया कि जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम हेतु नोडल अधिकारी नामित करते हुए कार्मिकों की तैनाती की गई है तथा जनपद में 8 अगस्त से 12 अगस्त तक घरों में तिरंगा झंडा वितरित किए जाएंगे।

जाने सतत विकास लक्ष्य की दौड़ में क्या रहा उत्तराखंड ज़िलों का हाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पहले आपको बता दे की क्या होता है, SDG (सतत विकास लक्ष्य) बता दे की इस नाम की रिपोर्ट में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिति पर प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने सर्वसम्मति से विकास के 17 लक्ष्यों को स्वीकार किया। संयुक्त राष्ट्र ने इन लक्ष्यों को दुनिया के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया और वर्ष 2030 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इसके कार्यान्वयन ढांचे को सदस्य देशों के साथ साझा किया गया। 17 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) और 169 उद्देश्य 2030 एजेंडा का हिस्सा हैं। सतत विकास के लिए जिसे सितंबर 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा शिखर सम्मेलन में 193 सदस्य देशों द्वारा अनुमोदित किया गया था। यह एजेंडा 1 जनवरी, 2016 से लागू हुआ है।

गौरतलब है की गरीबी और भूख मिटाने सहित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने की होड़ में उत्तराखंड ने अपने प्रदर्शन में सुधार लाने का जोश बरकरार रखा है। एसडीजी में राज्य की रेटिंग सबसे आगे चल रही है। प्रदेश के 13 में से 10 जिलों का प्रदर्शन संतोषजनक है। इनमें नैनीताल जिला 75 अंकों के साथ सबसे ऊपर है, जबकि उधम सिंह नगर जिला 54 अंकों के साथ सबसे नीचे है। एसडीजी के तहत 19 लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इनमें से शून्य गरीबी, शून्य भूख, अच्छा स्वास्थ्य और रहन-सहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ पानी और स्वच्छता पहले छह लक्ष्य हैं।

इसके बाद सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा, अच्छी कार्य संस्कृति और आर्थिक विकास, औद्योगिक नवाचार और बुनियादी ढांचा, असमानता में कमी, सतत शहर और समुदाय, जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन, जलवायु गतिविधि, जीवन, शांति, न्याय और मजबूत संस्थान और लक्ष्य प्राप्ति शामिल हैं। एसडीजी का मूल्यांकन भागीदारी के बिंदुओं पर किया जाता है।

वर्ष 2021-22 के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी एंड गुड गवर्नेंस (सीपीपीजीजी) द्वारा जारी एसडीजी रेटिंग में उत्तराखंड को कुल 69 अंक मिले हैं, एसडीजी रेटिंग में 65 से 99 स्कोर करने वालों को लक्ष्य हासिल करने वालों में सबसे आगे माना जाता है। इससे कम को परफॉर्मर यानी यथास्थिति की श्रेणी में रखा गया है। अचीवर कैटेगरी उन लोगों को दी जाती है जो 99 यानि 100 से अधिक अंक प्राप्त करते हैं। इस श्रेणी में उत्तराखंड का एक भी जिला नहीं है। इससे पहले यानि वर्ष 2020-21 में उत्तराखंड के चार जिलों में से वर्ष 2020-21 में उत्तरकाशी के 64 अंक, पिथौरागढ़ के 63, टिहरी के 59 और उधमसिंहनगर के 58 अंक थे. एक साल बाद इन चारों में उत्तरकाशी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है।वर्ष 2021-22 में जिलेवार एसडीजी रेटिंगः जिला-रेटिंग नैनीताल- 75, देहरादून-73, चंपावत- 72, रुद्रप्रयाग- 71, उत्तरकाशी- 70, चमोली- 69, बागेश्वर- 68, पिथौरागढ़- 67, अल्मोड़ा- 67, पौड़ी- 65, टिहरी- 64, हरिद्वार- 59, उधमसिंहनगर- 54

8 अगस्त को मीडियाकर्मी बूस्टर डोज़ ज़रूर लगवाएं : डॉ0 आर राजेश कुमार, निदेशक NHM की अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मीडियाकर्मियों और पत्रकारिता से जुड़े कलमकारों के परिवार की सुरक्षा और सेहत के लिए गंभीर धामी सरकार के निर्देश पर उत्तराखंड सरकार में प्रभारी सचिव स्वास्थ्य और मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ0 आर राजेश कुमार ने सभी मीडियकर्मियों से बूस्टर डोज़ लगवाने की अपील की है। इसके लिए सभी तरह की तैयारी को पूरा करने के भी उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और सुचना विभाग को निर्देश दिए हैं।

मिशन निदेशक ने अपने निर्देश में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीयों को कहा है कि प्रिन्ट एवं इलैक्ट्रानिक/सोशल मीडिया के पत्रकार एवं उनके परिवार के सदस्यों को कोविड की निशुल्क टीकाकरण (बूस्टर डोज) के लिए 8 अगस्त 2022 से शिविर का आयोजन किया जाये इसी सन्दर्भ में प्रभारी सचिव/मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दो आर. राजेश कम ार ने महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग को पत्र जारी कर, सभी मीडियकर्मियों और उनके परिजनों को लाभान्वित करने की अपील की है जिससे उनके जीवन और स्वास्थ्य के लिए बेहद ज़रूरी इस डोज़ को समय से लगवाया जा सके।

राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए जा रहे इस फ्री कैम्प की जानकारी देते हुए अपर निदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग डॉ0 अनिल चंदोला ने बताया है कि सूचना निदेशालय परिसर (रिंग रोड लाडपुर) में 8 अगस्त को प्रातः 10 बजे से निशुल्क बूस्टर डोज लगाये जाने हेतु स्थान उपयुक्त है। शिविर में जिला एवं राज्य स्तर के पत्रकार एवं उनके परिजन हेतु प्रतिदिन लगभग 600 की संख्या लाभान्वित कराया जाय। मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में सहायक निदेशक/जिला सूचना अधिकारी ने राज्य/जिला स्तरीय समस्त मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि जिन मीडिया प्रतिनिधियो एवं उनके परिजनों को बूस्टर डोज नहीं लगा है वह सूचना निदेशालय परिसर में आयोजित टीकाकरण शिविर में उपस्थित होकर निशुल्क बूस्टर डोज लगवा सकते है। इस दौरान अपना आधार कार्ड साथ रखें।

सरकार पूरी ईमानदारी व पूरी शक्ति से पशुपालकों एवं किसानों के साथ है : मुख्यमंत्री

दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि भुगतान कार्यक्रम में दिखी पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा की कामयाबी

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

13 जनपदों के 26 सर्व श्रेष्ठ दुग्ध उत्पादकों को पुरस्कृत किया गया। जिसमे जनपद नैनीताल के सर्वश्रेष्ठ दुग्ध उत्पादक मे गंगा देवी को प्रथम, जनपद ऊधम सिंह नगर के गुरू उपदेश देव को द्वितीय व श्रीमती हरपाल कौर को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

रूद्रपुर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जवाहर नवोदय विद्यलाय पहुँचकर डेयरी विकास विभाग द्वारा आयोजित दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि भुगतान कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाकर किया। डीबीटी के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को 22 करोड़ की धनराशि ट्रांस्फर की गई। कार्यक्रम में 13 जनपदों के 26 सर्व श्रेष्ठ दुग्ध उत्पादकों को पपुरस्कृत किया गया। जिसमे जनपद नैनीताल के सर्वश्रेष्ठ दुग्ध उत्पादक मे गंगा देवी को प्रथम, जनपद ऊधम सिंह नगर के गुरू उपदेश देव को द्वितीय व श्रीमती हरपाल कौर को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य के अन्तर्गत संचालित दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 25 प्रतिशत अनुदान पर 03 एवं 05 दुधारू पशुओं की इकाई स्थापना का कार्य किया जा रहा है। आगामी 05 वर्षों 5300 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए लगभग 20 हजार दुधारू पशु कय कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित है जिसके सापेक्ष वर्तमान तक 600 लाभार्थियों को लाभान्वित कर लगभग 2100 दुधारू पशु कय कराये जा चुके है इससे जहां एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादकों की आर्थिकी में वृद्धि हो रही है, साथ ही प्रदेश के दुध उपार्जन में भी लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। अटल विश्वास एवं भरोसा है कि डैयरी, पशुपालन सैक्टर पशुपालकों की स्थिति सूधारने में बेहतर भूमिका निभा सकता है। पीएम नेतृत्व में किसान आय दो गुनी करने में हर सभंव प्रयास किया जा रहा है और लगातार काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लघु, सीमान्त भूमिहीन व निर्बल वर्ग कृषकों व दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध सहकारिता के माध्यम से उनके द्वारा उत्पादित दूध की उचित कीमत दिलाते हुए उन्हें अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध कराने तथा ग्राम स्तर पर स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराने में डेरी विकास विभाग महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। विभाग के माध्यम से जहाँ एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारी समितियाँ गठित करते हुए दुग्ध उत्पादकों को वर्ष पर्यन्त दूध विपणन की उचित व्यवस्था प्रदान की जाती है वहीं दूसरी ओर नगरीय उपभोक्ताओं पर्यटकों व तीर्थयात्रियों आदि को शुद्ध तरल दुग्ध व दुग्ध पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। विभाग के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को ग्राम स्तर पर तकनीकी निवेश सुविधाएं यथा रियायती दर पर संतुलित पशुआहार, पशु स्वास्थ सेवाऐं, चारा विकास व प्रशिक्षण तथा दुधारू पशु कयार्थ ऋण व अनुदान आदि की सुविधाऐं प्रदान की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन किसान भाईयों के पास कृषि उपकरण नहीं है, उनके लिए फार्म मशीनरी बैंक योजना शुरू की है, जिसमें 80 प्रतिशत अनुदान तक की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पूरी ईमानदारी व पूरी शक्ति से पशुपालकों एवं किसानों के साथ खड़ी है, केवल साथ ही नही खड़े हैं बल्कि साझेदार एवं सहयोगी के रूप में खड़े हैं।

सीएम धामी ने रक्षा बन्धन की शुभकामनाएं देते हुए हर घर तिरंगा अभियान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्तराखण्ड के अन्दर जोर शोर से चलना चाहिए। लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से तिरंगा भेंट किया और हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत हस्ताक्षर अभियान में शामिल होकर हस्ताक्षर किये।

दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि भुगतान कार्यक्रम के भव्य और सफल आयोजन में उत्तराखंड सरकार के डेयरी, मत्स्य, पशुपालन, गन्ना विकास, प्रोटोकॉल, कौशल विकास एवं सेवा योजन मंत्री सौरभ बहुगुणा के शानदार नेतृत्व में मिल रही कामयाबी की झलक भी नज़र आयी। उन्होंने सरकार की सभी योजनाओं पर मौजूद लोगों को जानकारी दी। इस दौरान मंत्री सौरभ ने महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर और रोज़गार से जोड़ने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए 2025 तक सर्वोत्तम राज्य के विजन को साकार करने का भरोसा भी दिया है।

संपादकीय

ऐतिहासिक है शतरंज ओलिंपियाड

चेन्नई में चल रहा 44वां शतरंज ओलिंपियाड अनेक मायनों में ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण है. यह पहला अवसर है, जब यह आयोजन भारत में हो रहा है. अगर हम इस खेल आयोजन को प्रतिभागी देशों की संख्या और उसकी लोकप्रियता की दृष्टि से देखें, तो 2010 में आयोजित कॉमनवेल्थ खेल के बाद हमारे देश में होने वाला सबसे बड़ा आयोजन है. अनेक खेल विशेषज्ञ और खेलों से जुड़े लोग यह भी मानते हैं कि चेस ओलिंपियाड कॉमनवेल्थ से भी बड़ा आयोजन है. उल्लेखनीय है कि विभिन्न देशों के बड़े खिलाड़ियों से बनी टीमें तो हिस्सा लेती ही हैं, वहीं एक देश से एक से अधिक टीमें भी प्रतियोगिता में भाग लेती हैं. इस आयोजन के संदर्भ में यह बात भी रेखांकित की जानी चाहिए कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजक के रूप में भारत की क्षमता हाल के समय में बढ़ी है. इस बार का चेस ओलिंपियाड पहले रूस में आयोजित होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी से जुड़ी समस्याओं तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वहां इसका आयोजन होना लगभग असंभव हो गया था. रूस ने आयोजन से मना करते हुए यह भी कहा कि अगर वे इसे आयोजित करते भी हैं, तो वर्तमान स्थिति में बहुत से देश इसमें शामिल नहीं होंगे और यह एक राजनीतिक मसला बन जायेगा. यह शतरंज ओलिंपियाड के महत्व के लिए नुकसानदेह हो सकता था. ऐसी स्थिति में इतने कम समय में इस प्रतियोगिता का आयोजन कर पाना किसी भी देश के लिए आसान मामला नहीं था, लेकिन भारत और चेस फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आगे बढ़ कर पहल की और इसका आयोजन सफलतापूर्वक चल रहा है. इस संदर्भ में तमिलनाडु सरकार और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के उत्साह को क्रेडिट दिया जाना चाहिए. इस बार के चेस ओलिंपियाड में पहली बार टॉर्च रिले रखा गया. यह बहुत ही सकारात्मक पहल है. जगह-जगह इस टॉर्च रिले के जाने से इस आयोजन के बारे में जागरूकता बढ़ी. देशभर में इसका जोरदार स्वागत भी हुआ. यह शतरंज की लोकप्रियता को भी इंगित करता है. चेस के अंतरराष्ट्रीय संगठन ने घोषणा की है कि आगे जब-जब यह ओलिंपियाड होगा, उसमें टॉर्च रिले होगा तथा इसकी शुरुआत हमेशा भारत से होगी. इसकी बड़ी वजह यह है कि हमारे इतिहास में भी चेस का खासा महत्व रहा है. भारत में शतरंज की सबसे अधिक लोकप्रियता तमिलनाडु में है और हमारे अधिकतर ग्रैंडमास्टर उसी राज्य से आते हैं. चेस के सबसे बड़े खिलाड़ी मूलतः तमिलनाडु से हैं, हालांकि अब वे नॉर्वे के नागरिक बन गये हैं. तमिलनाडु में चेस की पुरानी परंपरा रही है और वहां इसे हमेशा बढ़ावा भी दिया जाता रहा है. वहां ऐसे लोगों की तादाद भी बहुत है, जो चेस को समझते हैं. शतरंज के जो दर्शक होते हैं, वे अन्य खेलों के दर्शकों की तरह नहीं होते.

उत्तराखंड में बना देश का पहला हिमालयन स्पाइस गार्डन, ये है खास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के अल्मोड़ा के सौनी में देश का पहला हिमालयन स्पाइस गार्डन अस्तित्व में आया है। गार्डन का उद्घाटन पद्मश्री शेखर पाठक ने किया और उन्होंने इसे स्थानीय किसानों के लिए बेहद फायदेमंद बताया। जंगली जानवर भी इन्हें नुकसान नहीं पहुंचाते, जिससे मसालों की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है। फिलहाल वन विभाग ने यहां 27 से 30 तरह के मसालों का बगीचा स्थापित किया है। भविष्य में अन्य प्रजातियों पर भी शोध किया जाएगा।

वन विभाग ने जायका परियोजना के तहत रानीखेत वन क्षेत्र के सौनी में स्पाइस गार्डन विकसित किया है। पद्मश्री शेखर पाठक ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्र के किसानों को मसाला उत्पादन के लिए प्रेरित कर उनकी आय को बढ़ाया जा सकता है. मुख्य वन संरक्षक संजीव चतुर्वेदी ने कहा कि यह उद्यान पर्यटन विकास की दृष्टि से भी लाभकारी सिद्ध होगा।

उत्तराखंड वन अनुसंधान सलाहकार जोगेंद्र बिष्ट ने स्पाइस गार्डन का महत्व समझाया और उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उद्यान में जंगलों में उगने वाली और किसानों के खेतों में उगने वाली विभिन्न प्रजातियों की रक्षा की जाएगी। इस दौरान वन विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।जम्बू, काला जीरा, वन अजवायन, दालचीनी, करी पत्ता, तैमूर, बद्री तुलसी, सौंफ के फूल, केसर, इलायची, अल्मोड़ा पट्टी, लखोरी मिर्च, जंगली हींग, हिमालयन हींग, फिटकरी, वन हल्दी, तेजपत, डोलू आदि।

मधुमेह को नियंत्रित करने में उपयोगी होगी यह चाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मधुमेह एक ऐसी चिकित्सा स्थिति है जिसका वैज्ञानिक अभी तक कोई ठोस इलाज नहीं खोज पाए हैं, हालांकि कुछ विशेष चीजों की मदद से रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है, इन्हीं में से एक है आंवला चाय। बालों की सेहत को बेहतर बनाने के लिए हम अक्सर आंवले का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह कैंसर, किडनी की बीमारी और दिल की बीमारियों के खतरे को भी कम करता है। इस खबर में टीम न्यूज़ वायरस बताएगा कि मधुमेह के मरीजों के लिए आंवला की चाय क्यों फायदेमंद है।क्या आपने कभी आंवला खाया है, आह यह लिखते ही मेरा मुंह खट्टा हो गया अगर आपने भी आंवला खाया है तो आपका मुंह भी खट्टा हो गया होगा। अब बता दें कि आंवला एक ऐसा फल है जिसे सुपर फूड कहा जाता है।

इसमें आयरन, विटामिन सी, कार्बोहाइड्रेट, फास्फोरस, फाइबर, कैल्शियम और प्रोटीन जैसे कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं। जो सेहत को कई फायदे पहुंचाते हैं। आंवला को आयुर्वेद का खजाना कहा जाता है और इसका उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।मधुमेह में क्यों फायदेमंद है आंवला आंवला में मधुमेह विरोधी गुण होते हैं, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद फाइबर रक्त प्रवाह में ग्लूकोज को धीरे-धीरे छोड़ने का काम करते हैं। चूंकि आंवला में विटामिन सी पाया जाता है, इसलिए यह मधुमेह के रोगियों के लिए एक आदर्श भोजन है।इसके अलावा आंवले में क्रोमियम नाम का मिनरल पाया जाता है, जो ग्लूकोज और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर होता है।मधुमेह रोगियों को जरूर पीनी चाहिए आंवले की चाय अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आंवला की चाय आपके लिए किसी रामबाण इलाज से कम नहीं है। हालांकि आंवले को कच्चा खाना, सेंधा नमक मिलाकर चूर्ण की तरह पीसकर आंवले का रस भी लाभदायक सिद्ध होगा।

जानिए आंवला चाय बनाने की विधि- सबसे पहले एक बर्तन में 2 कप पानी डालकर उबाल लें।- अब इसमें एक चम्मच आंवला पाउडर और पिसा हुआ अदरक मिलाएं।-अब इसमें ताजी पुदीने की पत्तियां डालें और कुछ मिनट तक उबालें-फिर चाय को छान कर एक कप में निकाल कर परोसिये और पी लीजिये.- इसे आप दिन में 2 बार पी सकते हैं।

गदरपुर में 29 वर्षीय किसान की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

गदरपुर। क्षेत्र में सामान लेने गए किसान को किराना की दुकान से बाहर बुलाकर बाइक सवार दो युवकों ने गोली मार कर हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से लोगों में पुलिस-प्रशासन के विरुद्ध रोष है। लोगों का कहना है कि अपराधियों पर लगाम लगाने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है।

ग्राम खानपुर पश्चिम निवासी 29 वर्षीय जसवीर सिंह उर्फ पिच्चू पुत्र गुरबख्श सिंह खेतीबाड़ी करता था। वह शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे पास के ही गांव बहरावजीर स्थित राकेश किराना स्टोर पर एक साथी के साथ सामान लेने गए थे। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक आए और आवाज देकर जसवीर को दुकान के बाहर बुलाया। जसवीर जैसे ही दुकान के बाहर आए, वैसे ही बाइक सवार एक युवक ने गोली मार दी। वह लहूलुहान होकर नीचे गिर गया। जसवीर को गोली लगते ही आरोपित बाइक से फरार हो गए। लोग कुछ समझ पाते तब तब हमलावर दूर जा चुके थे। गोली की घटना से बाजार में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से आनन फानन उसे सामुदायिक केंद्र पहुंचाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने जसवीर के साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर जसवीर से किसी से विवाद हो गया था।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के 3 दिवसीय प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रायवाला- भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तराखंड के प्रदेश प्रशिक्षण विभाग द्वारा औरोवेली आश्रम ऋषिद्वार रायवाला में 5 से 7 अगस्त तक चलने वाले 3 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिन वर्ग का शुभारंभ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया गया । प्रशिक्षण वर्ग में कुल 11 सत्र होंगे जिसमे भाजपा सैद्धांतिक , वैचारिक एवं मोदी सरकार की दूरगामी परिणाम वाली नीतियों केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियों की जानकरियाँ प्रशिक्षण का हिस्सा होंगे ।

उद्घघाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा हमारी पार्टी सिद्धांतो पर चंलने वाली पार्टी है उन्होंने कहा युवा मोर्चा पार्टी की प्राइमरी पाठशाला है जो हमने प्राइमरी स्कूल में पढ़ा होगा वो हमें जीवन भर याद होता है। उन्होंने कहा युवाओं का कोई भी कार्यक्रम होता तो में अपने आप को नही रोक सकता। मुख्यमंत्री ने केंद्र की मोदी सरकार की दूरगामी परिणाम वाली नीतियों पर प्रकाश डाला और केंद्र सरकार की सर्व समाज का विकास करने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के 8 वर्षों के कार्यकाल में जिस प्रकार से उन्होंने भारत के प्रत्येक व्यक्ति को मजबूत करने के लिए योजनाओं को धरातल पर उतारा है उससे प्रत्येक व्यक्ति लाभान्वित हुआ है। नरेंद्र मोदी ने रक्षा क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र व तमाम उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कदम उठाए जिससे कि आज भारत का मान देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में हो रहा है। आज विश्व में कहीं भी कोई घटना घटती है तो विश्व भारत की ओर भरोसे की नजर से देखता है। आज पूरा विश्व भारत के सामने का गुणगान कर रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी योजना है राज्य में इस योजना के शुरू होने के बाद अब तक पांच लाख से अधिक लोगों ने मुफ्त इलाज का लाभ उठाया है मुख्यमंत्री ने कहा जब चुनाव हुआ था तो हमने उत्तराखंड की जनता के समक्ष कहा था सरकार आएगी तो हम नागरिक संहिता प्रदेश में लागू करेगें तो प्रदेश की जनता ने हमे जीतकर इस कानून में मोहर लगाई और सबसे पहले नागरिक संहिता को कैबिनेट में लाये और जल्द ही ये कानून का रूप ले लेगा।पुष्कर धामी ने सरकार की चलाई जा रही कई जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी दी उन्होंने कहा अब सबको काम करना होगा जो काम करेगा वो ही आगे बढ़ेगा अब शॉर्टकट रास्ते बंद हो गए है। उन्होंने कहा युवा मोर्चा से निकले लोग ही नेतृत्व कर रहे है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंदन लटवाल ने कहा की प्रशिक्षण शिविर में संगठन का विचार, उसका उदभव और विकास, हमारी विचारधारा, देश की वर्तमान चुनौतियां एवं देश के नेतृत्व द्वारा चलाए जा रहे आत्मनिर्भर भारत महाअभियान आदि विषयों को केंद्रित करते हुए प्रशिक्षण शिविर के स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कार्यकर्ताओं से अपना राजनीतिक दृष्टिकोण सुदृढ़ बनाने व व्यक्तित्व विकास के साथ संगठन को सर्वोपरि मानकर इस कालखंड के दौरान राष्ट्र आराधना में जुटे दायित्ववान कार्यकर्ताओं को सौभाग्यशाली बताया। कुंदन लटवाल ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि प्रशिक्षण का कार्यकर्ताओं को अच्छा प्रतिसाद मिलेगा और सभी एकजुट होकर काम करेंगे उन्होंने कहा सीएम धामी के नेतृत्व में सरकार जनहित के कार्य कर रही है उन्होंने कहा अब हमें प्रदेश एवं देश के विकास की दिशा में अपनी सहभागिता दर्ज कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक ले जाने की दिशा में कार्य करना चाहिए ।

यूकेसीएसएससी आयोग चेयरमैन के इस्तीफा से स्पष्ट, भ्रष्टाचार में लिप्त है सरकार

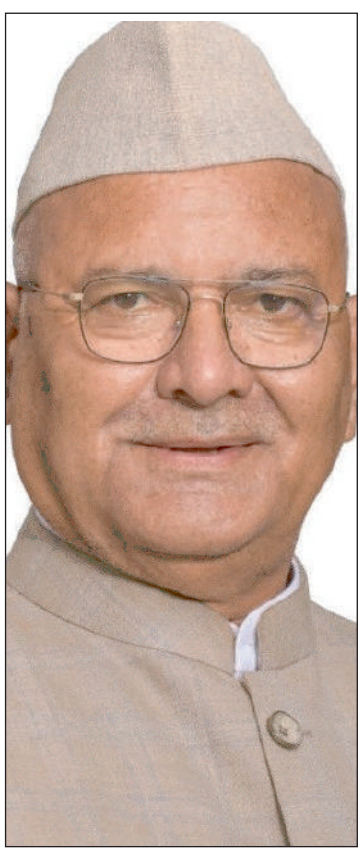

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आप के उत्तराखंड समन्वय और वरिष्ठ नेता जोत सिंह बिष्ट ने कहा है कि धामी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के चेयरमैन एस राजू द्वारा इस्तीफा दिए जाने को लेकर आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने बयान जारी किया।उन्होंने कहा कि 2017 से लेकर अब तक यूकेएसएससी द्वारा जितनी भी परीक्षाएं आयोजित की गई हैं उन परीक्षाओं में कई अनियमितताएं सुनने और देखने को मिली है।उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद एक दर्जन से ज्यादा लोगों को एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किया गया है।उन्होने आगे कहा कि सरकार झूठी गिरफ्तारी करवाकर बड़े मगरमच्छों को बचाने का काम कर रही है। उन्होने कहा कि आयोग के चेयरमैन एवम वरिष्ठ आइएएस एस राजू द्वारा इस्तीफे का मतलब है कि ,सिस्टम में भ्रष्टाचार पूरी तरह व्याप्त है, सरकार भ्रष्टाचार में पूरी तरह डूबी हुई है।

इस सरकार को नैतिकता के आधार पर सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है। सरकार को इस्तीफा देकर नए जनादेश की मांग करनी चाहिए यही नैतिकता का तकाजा है।

प्रदेश में कांग्रेस नौ से शुरू करेगी 75 किलोमीटर की भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने बताया कि कांग्रेस 9 से 15 अगस्त तक हर जिले में 75 किलोमीटर की भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा निकालेगी। यात्रा के दौरान बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 9 अगस्त को सुबह 10 बजे रुद्रप्रयाग जिले के गुलाबराय मैदान से भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। वो रुद्रप्रयाग बाजार, सुमेरपुर, रतूड़ा, घोल्तीर, नगरासू से गौचर तक यात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद गौचर में जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं, स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े आंदोलन कुली-बेगार प्रथा के विरोध में हुए आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने पर आन्दोलन की याद में शहीदों को भी श्रद्धांजति देंगे। इसके बाद दोपहर दो बजे चमोली के कर्णप्रयाग में भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग करेंगे।

10 अगस्त को बागेश्वर में, 11 को अल्मोड़ा में, 12 को जसपुर, 13 को ऊधमसिंनगर में, 14 अगस्त को हरिद्वार में भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। जबकि 15 अगस्त को प्रदेश काग्रेस मुख्यालय में भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा का समापन होगा।

प्रदेश में अगस्त क्रांति के मौके पर 9 अगस्त को हर स्कूल और महाविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकलेगी। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के मुताबिक देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करेंगे। यात्रा में चार हजार छात्र-छात्राएं शामिल होंगे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेशभर के स्कूलों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में 'तिरंगा यात्रा' निकाली जाएगी। राजधानी देहरादून में आयोजित तिरंगा यात्रा में विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे, जिसमें स्कॉट गाइड, एनएसएस एवं एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी प्रमुख रूप से रहेगी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि तिरंगा यात्रा की तैयारियों के लिए उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। तिरंगा यात्रा सुबह आठ बजे परेड ग्राउंड से राजपुर रोड होते हुए बहल चौक तक निकाली जाएगी, जो सुभाष रोड होते हुए वापस परेड ग्राउंड पहुंचेगी।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा